25.11.24

Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh

कक्षा- तीसरी
विषय- हिन्दी सुलेख

शिक्षिका- श्रीमती सुमन शर्मा
श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरल हिन्दी सुलेख भाग-तीन

प्यारे बच्चो !

आप सभी अपनी-अपनी पुस्तक 'सरल हिन्दी सुलेख' भाग-तीन में नियमानुसार अभ्यास कर रहे होंगे। आप सभी का इस कार्य को करना अनिवार्य है। इसे करने से आप अपनी हिन्दी की लिखाई में सुधार कर सकते हैं। यह पुस्तक आपकी लिखाई सुधारने में सहायता करेगी। इसलिए आप सभी का इस कार्य को रुचि से करना आवश्यक है। जब भी आप सुलेख लिखें, इस बात का ज़रूर ध्यान रखें कि आप जिस पेंसिल से लिख रहे हैं, वह तीखी होनी चाहिए। बार-बार गलतियाँ न करें। गलत शब्द लिखने पर यदि आप रबड़ का इस्तेमाल भी करेंगे तो कागज़ भी फट सकता है। आपके शब्द अथवा वाक्य इस प्रकार से लिखे होने चाहिए कि पढ़ने वाले को साफ़ समझ में आ जाएँ।

अध्यापिका द्वारा आपको सरल हिन्दी सुलेख में अभ्यास करने के साथ-साथ अलग से एक पुस्तिका में एक वर्ण एवं उससे जुड़े चार शब्दों का अभ्यास करने के लिए दिया जा रहा है। इस सप्ताह आपको गृहकार्य के साथ-साथ 'इ' वर्ण तथा 'ई' वर्ण

कक्षा - तीसरी
विषय - हिन्दी सुलेख
शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
श्रीमती कल्पना शर्मा

से जुड़े चार शब्दों का अभ्यास करने के लिए दिया जा रहा है।

इस प्रकार निरन्तर अभ्यास द्वारा सभी छात्र अपनी हिन्दी की लिखाई में सुधार ला सकते हैं।

गृहकार्य

सभी छात्र पृष्ठ संख्या - 27 को सरल हिन्दी सुलेख की पुस्तक पर लिखने का अभ्यास करेंगे। सुलेख लिखते समय आप अध्यापिका द्वारा बताई बातों को अवश्य ध्यान में रखेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]

न होगा बाँस न बजेगी बाँसुरी।

न होगा बाँस न बजेगी बाँसुरी।

रस्सी जल गई पर बल न गया।

रस्सी जल गई पर बल न गया।

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....